गन्ना एरियर बढ़कर हुआ 20 हजार करोड़ रुपये

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : लागत से कम मूल्य पर बिक रही चीनी चुनावी साल में नया गुल खिला सकती है। जनवरी के अंत तक गन्ना किसानों का बकाया बढ़कर 20 हजार करोड़ रुपये से अधिक हो चुका है। बढ़ते स्टॉक की वजह से बाजार में चीनी लागत से भी कम मूल्य पर बिक रही है। सरकारी बाध्यता के बावजूद चीनी का निर्यात नहीं हो रहा है। आने वाले महीनों में गन्ना किसानों की कठिनाइयां और बढ़ रही हैं। इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन (इस्मा) के मुताबिक घरेलू बाजार में चीनी का भाव 29 से 30 रुपये प्रति किलो है। जबकि चीनी उत्पादन की लागत 35 रुपये किलो तक है। इसके चलते चीनी मिलों का सारा कारोबार घाटे में जाने लगा है। इस्मा

के महानिदेशक अविनाश वर्मा ने बताया कि चीनी मिलों की वित्तीय हालत बहुत ही तंग है, जिससे आने वाले दिनों में किसानों को गन्ना भुगतान करना कठिन हो जाएगा।

इस्मा ने केंद्र सरकार से चीनी का न्यूनतम मूल्य 35 से 36 रुपये प्रति किलो निर्धारित करने का आग्रह किया है। साथ ही निर्यात नहीं करने वाली मिलों पर निर्यात करने दबाव बनाने का भी आग्रह किया गया है।

Dainik Jagran
5/2/2019